पुणे विद्यापीठ

एम्. फिल. हिंदी पाठ्यक्रम

विश्वविदयालयों/शोध संस्थानों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रदेय है— शोध कार्य । इस शोध—कार्य को व्यवस्थित रूप देने के लिए एम्.फिल. पाठयक्रम के अंतर्गत शोध–प्रविधि का विधिवत् प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत ऐसे पाठ्य विषयों का समावेश किया जा रहा है जो शोधार्थी के लिए आवश्यक है, परंतु जिनका संज्ञान उसे पहले नहीं कराया जा सका है ।

प्रश्नपत्र : १. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया ।

१. अनुसंधान का स्वरुप : अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवंम् उनका औचित्य, अनुसंधान की विविध परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण, अनुसंधान के उद्देश्य, अनुसंधान की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगति, प्रमाणबद्ता ।

२. अनुसंधान और आलोचना।

३. अनुसंधान के मूल तत्व।

४. अनुसंधाान के प्रकार : साहित्यिक, साहित्येत्तर, दोनों में साम्य–वैषम्य, अंत:संबंध, साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार –वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान का सामान्य परिचय ।

५. अनुसंधान की प्रक्रिया : विषय–चयन, सामग्री संकलन, हस्तलेख–संकलन एवं उपयोगिता, सामग्री का विश्लेषण एवं संश्लेषण, विवेचन, निष्कर्ष स्थापना।

६. शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध शीर्षक, निर्धारण, रुपरेखा, भूमिका–लेखन, अध्याय–विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, टंकन, वर्तनी सुधार

७. अनुसंधान कार्य के घटक और पाठालोचन: घटक अनुसंधान कर्ता, निर्देशक, पाठालोचन के मुख्य सिध्दांत ।

प्रश्नपत्र : २. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि ।

१. विचारधारा और साहित्य ।
२. विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन ।
३. मध्ययुगीन–बोध और आधुनिक बोध में साम्य वैषम्य ।
४. पुनर्जागरण,पुनरुत्थान, हिंदी लोक जागरण, राष्ट्रीय स्वातंत्र आंदोलन ।
५. राष्ट्रीयता और आतर्राष्ट्रीयता ।
६. हिंदी साहित्य से संबध्द विशिष्ट मतवाद—अध्यात्मवाद, गांधीवाद, मार्क्सवाद, धर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अंतश्चेतनावाद, उत्तर—आधुनिकतावाद ।
७. भारतीय संवैधानिक व्यवस्था–लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित–चेतना, स्त्री–विमर्श ।
८. आंचलिकता और महानगर बोध ।
९. साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन–साहित्य का समाजशास्त्र इतिहास, दर्शन मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा–वैज्ञानिक विवेचन, भाषा–प्रौद्योगिकी, साहित्य का वैज्ञानिक बोध ।

प्रश्नपत्र : ३. तुलनात्मक साहित्य

१. तुलनात्मक साहित्य : परिभाषा और स्वरुप
२. तुलनात्मक साहित्य : प्रविधि : कृति और साहित्यकार के संदर्भ में युग, दर्शन, साहित्य विधा, भाषा आदि का तुलनात्मक अध्ययन
३. तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन क्षेत्र

- एक भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
- एक भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन
- भिन्न भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन
- भिन्न भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

४. विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन :

- एक या भिन्न भाषाओं की विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन
- विधाओं के रुपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन

५. अनुवाद : परिभाषा स्वरुप और प्रविधि
६. अनुवाद के निकष
७. तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद का महत्व
८. भारतीय साहित्य की अवधारणा

प्रश्नपत्र ४. लघु—शोध—प्रबंध ।

इसके अंतर्गत लगभग १०० से १५० (सौ से डेढ सौ) तक टंकित पृष्ठों का लघु–शोध–प्रबंध परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जायेगा । विषय का आबंटन संबंधित शोध–विभाग व्दारा किया जायेगा । विभाग ही विशेषज्ञ /निर्देशक की व्यवस्था करेगा। इस लघु–शोध–प्रबंध का मूल्यांकन १०० अंकों में से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षक व्दारा कराया जाना अभीष्ट है ।

प्रश्नपत्र ५. मौखिकी

१०० अंकों की यह परीक्षा एक बाह्य और एक आंतरिक परीक्षक (जो निर्देशक होता है) व्दारा सम्मिलित रुप से ली जायेगी ।

मूल्यांकन सूचनाएँ :

१. सभी शोध केंद्रों की परीक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय व्दारा किया जायेगा ।
२. लघु–शोध–प्रबंध के अंतिम निर्धारण के लिए शोध समिति (आर.और आर.) की मान्यता अनिवार्य होगी ।
३. लघु–शोध–प्रबंध के परीक्षकों की नामिका हिंदी अध्ययन मंडल व्दारा निर्धारित की जाएगी ।
४. लघु–शोध–प्रबंध की मौखिकी संबंधित शोध केंद्र पर संपन्न होगी ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

१.	अनुसंधान का विवेचन	—	डॉ. उदयभानु सिंह
२.	शोध तंत्र और सिध्दांत	—	शैलकुमारी
३.	शोध प्रविधि	—	डॉ. विनयमोहन शर्मा
४.	अनुसंधान की प्रक्रिया	—	डॉ. सावित्री सिन्हा,डॉ.विजयेंद्र स्नातक
५.	अनुसंधान का विवेचन	—	डॉ. मनमोहन सहगल
६.	साहित्य सिध्दांत और शोध	—	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
७.	हिंदी शोध तंत्र की रुपरेखा	—	डॉ. मनमोहन सहगल
८.	शोध स्वरुप एवं मानक	—	डॉ. सरनाम सिंह शर्मा
९.	शोध स्वरुप एव मानक व्यावहारिक कार्यविधि	—	डॉ. वैजनाथ सिंहल
१०.	अनुसंधान प्रविधि	—	सुरेशचंद्र निर्मल
११.	शोध विज्ञान कोश	—	डॉ. दु.का.सतं, पुणे विदयार्थी गृह प्रकाशन,पुणे
१२.	Introduction to Research&	T. Hallway	
१३.	भाषा और समाज	—	डॉ. रामविलास शर्मा
१४.	अनुसंधान के तत्व	—	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
१५.	साहित्य और इतिहास दृष्टि	—	डॉ. मैनैजर पांडेय
१६.	साहित्य कोश भाग १	—	संपादक डॉ. धीरेंद्र वर्मा, ज्ञान मंडल, वाराणसी
१७.	उत्तर आधुनिकता साहित्य विमर्श	—	डॉ. सुधीश पचौरी
१८.	उत्तर आधुनिकता,संरचनावाद प्राच्य काव्यशास्त्र	—	डॉ. गोपीचंद नारंग,साहित्य अकादमी, और नई दिल्ली
१९.	हिंदी साहित्य में विविध वाद	—	डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल, लोकभारती,इलाहबाद
२०.	तुलनात्मक साहित्य	—	संपादक डॉ. राजमल बोरा
२१.	अनुवाद क्या है ?	—	संपादक डॉ. राजमल बोरा
२२.	अनुवाद विज्ञान	—	डॉ. भोलानाथ तिवारी
२३.	अनुवाद का स्वरुप	—	डॉ. सुरेशकुमार
२४.	अनुवाद सिध्दांत	—	डॉ. जी. गोपीनाथन्
२५.	भारतीय साहित्य की भूमिका	—	डॉ. रामविलास शर्मा
२६.	भारतीय साहित्याची संकल्पना	—	संपादक डॉ.द.दि.पुंडे
२७.	साहित्य कोश भाग १	—	संपादक डॉ. धीरेंद्र वर्मा, ज्ञान मंडल, वाराणसी
२८	उत्तर आधुनिकता,साहित्य विमर्ष	—	डॉ. सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन
२९.	उत्तर आधुनिकता, संरचनावाद नई दिल्ली और प्राच्य काव्यशास्त्र	—	डॉ. गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी,
३०.	हिंदी साहित्य में विविध वाद	—	डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल,लोकभारती,इलाहाबाद